संपादक के नोट

मसीह में मेरे प्यारे भाइयों और बहनों,

मैं तुम सबका अभिवादन हमारे स्वर्गीय पिता और उसके पुत्र येशु मसीह के नाम से करती हूँ। उनका प्यार, आनन्द और शांति आप सब के साथ रहे।

एक बार येशु के चेले नाव में सफ़र कर रहे थे, तब एक आँधी उनपर समुद्र के मध्य आई और उनके नाव से टकराया जैसे दिया गया है **मत्ती १४:२४ में – परन्तु नाव किनारे से कुछ किलोमिटर दूर लहरों में डगमगा रही थी, क्योंकि हवा विपरीत थी।** कारण क्या था? कारण यह था की येशु उस नाव में नहीं था। रात के बीचों–बीच येशु पानी पर चलते हुए आया। जब वह नाव में चढ़ा तब आँधी थम गई जैसे हम देखते हैं **मत्ती १४:३२ में – और जब वे नाव पर चढ़ गए तो हवा थम गई।**

दूसरे समय भी जब चेले नाव में सफ़र कर रहे थे वें एक और आँधी से टकराए। कारण था कि उन्होने येशु मसीह को नाव में सोने दिया। किसी ने उससे बात नहीं की। इसलिए वह चुप–चाप गया और नाव के निचले हिस्से में सो गया। आज, बहुत–से लोग प्रभु के साथ एक अच्छा रिश्ता नहीं रखते, उनके जीवनों में आँधी है।

पुराने करार में हम नबी योना को देखते हैं जिसने परमेश्वर के वचन को नहीं माना और वह उल्टे दिशा में गया। उसने भी एक बहुत ही तूफानी और अशांत समुद्र का सामना किया। नाव के सारे दूसरे यात्री भयभीत थे। लेकिन योना समुद्र के अशांति का कारण जानता था। उसने उनसे कहा कि वह उसे समुद्र में फैंक दें और आँधी थम जाएगी।

क्या तुम्हारे परिवार में तुम योना हो? क्या तुम्हारा परिवार तुम्हारे कारण संकटों का सामना कर रहा है? तो फिर, आँधी के आने से पहले पश्चाताप कर लो।

यहेजकेल ३७:९-१० कहता है – तब उसने मुझ से कहा, हे मनुष्य के सन्तान, श्वास से नबूवत कर, हां, नबूवत करके श्वास सेकह, प्रभु यहोवा यों कहता है: हे श्वास, चारों दिशाओं से आकर इन घात किए हुओं में श्वास फूंको कि वे जीवित हो जाएं। अतः उसकी इस आज्ञा के अनुसार मैंने नबूवत की और उनमें श्वास आ गया और वे जीवित होकर अपने पैरों पर खड़े हो गए, और एक अत्यन्त विशाल सेना बन गई।
एक बार परमेश्वर का हाथ नबी यहेजकेल पर था। आत्मा से भरपूर होकर वह एक खेत में ले लिया गया जो सूखी हड्डियों से भरा हुआ था। प्रभु ने नबी यहेजकेल से पूछा कि क्या

यें हड़्ड़ियाँ जीवित हो सकते हैं। आज भी हम कई सूखी हड़्ड़ियों को हमारे बीच में देखते हैं, क्या यह जीवन पाएंगे? जब येशु मसीह फिर आएगा, क्या यह लोग दिखेंगे? इन हड़्ड़ियों में जीवन पाने के लिए उनपर स्वर्गीय हवा का चलना ज़रूरी है। हाँ, केवल तब सूखी हड़्ड़ियों में जान आएगी और परमेश्वर की आवाज़ को सुनेगी।

इफिसियों २:१ – तुम तो उन अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे। संसार में इन सब लोगों को जीवन देने का सामर्थ प्रभु के पास है। हर जगह में लोगों को हम पाप के गड्डे में गिरे हुए देखते हैं। **यहेजकेल १८:४ – देखोँ, सब प्राण मेरे हैं, जैसे पिता का प्राण वैसे ही पुत्र का प्राण दनों मेरे हैं, जो कोई पाप करे वही मरेगा।**

प्रकाशितवाक्य ३:१ – "मैं तेरे कार्यों को जानता हूं, कि तू जीवित तो कहलाता है, पर है मरा हुआ।

जब स्वर्गीय हवा चलती है, जो पाप में मरे हैं वें फिर उठेंगे **यहेजकेल ३७:९ – तब उसने मुझ से कहा, "हे मनुष्य के सन्तान, श्वास से नबूवत कर, हां, नबूवत करके श्वास से कह, प्रभु यहोवा यों कहता है: हे श्वास, चारों दिशाओं से आकर इन घात किए हुओं में श्वास फूंको कि वे जीवित हो जाएं।"**

नबी यहेजकेल ने नबुवत की चारों दिशा के हवाओं को। यह समय है हवाओं को प्राप्त करने की। **प्रेरितों के काम १:८ – परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे, और यरूशलेम, सारे यहूदिया और सामरिया में, यहां तक कि पृथ्वी के छोर तक तुम मेरे साक्षी होगे।"**

जब पवित्र आत्मा आएगा वह तुम्हारे जीवनों में जागरण लाएगा।

आज, इसी समय माँगो कि पवित्र आत्मा को तुम्हे आकर भरे।

मैं उम्मीद करती हूँ कि यह संदेश तुम्हे परमेश्वर की आत्मा पाने के लिए और आत्मा में बढ़ने के लिए बल प्रदान करे। यह तुम्हें तुम्हारे जीवन में हर तूफान का सामना करने के लिए सक्षम करेगी।

परमेश्वर तुम्हे आशीष दें।

– पास्टर सरोजा म.

धधकती आग प्रभु के लिए

ओबद्याह १रू१८ – तब याकूब का घराना आग और यूसुफ का घराना ज्वाला होगा, परन्तु एसाव का घराना भूसा होगा। वे उसमें आग लगाकर उनको भस्म कर देंगे, यहां तक कि एसाव के घराने का कोई नहीं बचेगा। यहोवा ने ऐसा ही कहा है।
हम सब याकूब के परिवार के हैं, और युसुफ़, परमेश्वर दोनो से प्यार करता है, याकुब और युसुफ के परिवार से। उसका अनुग्रह, दया और प्यार इन परिवारों को सदस्यों पर बहुतायत रीति से है। परमेश्वर की इच्छा इस परिवार के लिए है कि हम उसके लिए एक धधकती आग बने। जिन्होने प्रभु को स्वीकारा वें सारे याकुब के परिवार के हैं। याद रखें परमेश्वर की इच्छा हमारे लिए यह है कि हम उसके लिए धधकती आग बने। याकुब का एक अनोखा गुण यह था कि वह उसके पिता के आशिषों को पाने की इच्छा रखता था और उसने स्वर्गीय पिता से उसके आशिषों के लिए भी लड़ाई की। इन दोनों इच्छाओं में, वह दोनों पिताओं के आशिषों को जीत पाया। **उत्पत्ति ३२रू२६ – तब उसने कहा, "मुझे जाने दे क्योंकि भोर होने वाला है। परन्तु याकूब ने कहा, "जब तक तू मुझे आशीर्वाद न दे, मैं तझे न जाने दूंगा।"** याकुब का मतलब क्या है? याकुब का मतलब है "उसका नाम फैले" जब वह पैदा हुआ, उसकी माता ने भी यही इच्छा की, इसलिए उसका नाम "याकुब" रखा गया। हमारा परमेश्वर "एल–शद्दाई" है, उसने उसका नाम दिया है और आज भी हमारे लिए वह यही इच्छा रखता है। परमेश्वर चाहता है कि उसके बच्चे इस संसार में बढ़े। वह चाहता है कि हम जगह–जगह जाए और उसकी महिमा और नाम को फैलाए। परमेश्वर की आशिषें याकुब के परिवार के लिए यह है कि हम परमेश्वर की महिमा को पृथ्वी के अंत तक फैलाए। इस प्रकार, परमेश्वर चाहता है कि हम धधकती आग बने उसके लिए और उसका नाम संसार के अंत तक फैलाए। **प्रेरितों के काम १रू८ – परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे, और यरूशलेम, सारे यहूदिया और समारिया में, यहा तक कि पृथ्वी के छोर तक तुम मेरे साक्षी होगे।"** याकुब का मतलब यह है कि उसने उसके पिता के आशिषों को और स्वर्गीय पिता के भी आशिषों को पाया है और इसलिए हमे आग से भरना है, और हमारे ज़रिए परमेश्वर का नाम इस संसार के छोर तक फैले, हमे उसके गवाह बनना है यरूशलेम, यहूदिया, सामरिया और पृथ्वी के छोर तक। यह परमेश्वर की इच्छा उसके लोगों के लिए है। **ओबद्याह १रू१८ – तब याकूब का घराना आग और यूसुफ का घराना ज्वाला होगा, परन्तु एसाव का घराना भूसा होगा। वे उसमें आग लगाकर उनको भस्म कर देंगे, यहां तक कि एसाव के घराने का कोई नहीं बचेगा। यहोवा ने ऐसा ही कहा है।** परमेश्वर का प्यास उसके बच्चों के लिए यह है कि हम उसके लिए धधकती आग बने और उसके नाम को पृथ्वी के छोर तक फैलाए। इसका

मतलब क्या है?....कि हम परमेश्वर के लिए एक धधकती आग बने? इसका मतलब यह है कि परमेश्वर उसका पवित्र आत्मा उण्ढ़ेलना चाहता है ताकि उसके पवित्र आत्मा द्वारा हम परमेश्वर के लिए अद्‌भुत कार्यों को कर सके। हमने शिमशोन को पवित्र–शास्त्रों में देखा हैं कैसे पवित्र आत्मा उसके ज़रिए शक्तिशालि रीति से कार्य करता था। हमने देखा कि शिमशोन ने पलिश्तियों को हराया, उसने तीन सौ लोमड़ियों को पकड़ा और उसने मशालों को लेकर लोमड़ियों को पूँछ से पूँछ बाँध दिया और इस पूँछ की जोड़ी के बीच मशाल लगा दी और उन मशालों पर आग जला दिया। उसके बाद उसने लोमड़ियों को पलिश्तियों के खड़े अन्न के ढ़ेर में भेज दिया और दाख की बारी, जैतून के वृक्षवाटिका में भी भेज दिया। शिमशोन ने यह क्यों किया? क्योंके जहाँ कही लोमड़ियाँ गईं उन्होंने पूरी जगह को जला दिया। आज भी, परमेश्वर इस पृथ्वी पर आग लगाना चाहता है और उसके नाम को याकुब और युसुफ़ के परिवारों द्वारा फैलाना चाहता हैं। वह चाहता हैं कि आग फैले, वह पवित्र आत्मा हमारे द्वारा। अब हम देखते हैं यहेजकेल की कहानी के बारे में, जब यहेजकेल परमेश्वर के दर्शन को देखता है, वह उसे कैसे देखता है? **यहेजकेल १:२७ – तब मैंने देखा कि उसकी कमर से ऊपर का भाग मानो चमकती हुई धातु हो जिसके भीतर सब ओर धधकती आग हो और उसकी कमर के नीचे की ओर मैंने आग–सी कुछ देखी और उसके चारों ओर चमक थी।** यहेजकेल परमेश्वर को आग कें रूप में देखता है। इसलिए आज, परमेश्वर चाहता है कि हम एक ज्वाला बने उसकी सभा में और इस दुनिया के कई भागों में। परमेश्वर चाहता है कि हम जैसे शिमशोन ने किया जब उसने दो लोमड़ियों के पूँछों को मशाल बाँधकर उस मशाल में आग लगाया और उनको जाने दिया ताकि जहाँ भी वें जाए वहाँ वें आग लगा सके। इसी प्रकार हमारा परमेश्वर चाहता है कि याकुब और यूसुफ़ के परिवार भी उसके लिए ज्वाला बने और उसके पवित्र आत्मा को इस दुनिया के कोने–कोने तक पहुँचाए। इसलिए हम जहाँ भी जाए, हमे उसके पवित्र आत्मा को लोगों के बीच फैलाना हैं। जो कोई भी उसका आत्मा चाहता है, परमेश्वर उसपर उसे उण्ढ़ेलने के लिए तैयार है। जब उसकी आत्मा/आग हम पर आता है, हर अधर्म का कार्य हमसे निकल जाता है। **मत्ती ३:१२ – उसका सूप उसके हाथ में है। वह अपना खलिहान पूर्णतः साफ करेगा, और अपना गेहूं भण्डार में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसी को उस आग में जलाएगा जो बुझने की नहीं।"** अच्छा गेहूं परमेश्वर के गोदाम में इकट्ठा किया जाता है जब कि भूसे को न बुझने वाली आग में डाला जाता है। परमेश्वर ने अब्राहम को एक दर्शन दिया उस वचनानुसार कनान देश के बारे में। अब्राहम उस वचन के भूमि की ओर निकला जैसे कि परमेश्वर की योजना थी। इस सफ़र में बहुत–से उसके साथ निकले लेकिन वें वादे के देश में नहीं पहुँच पाए, क्योंकि वे परमेश्वर की योजना का भाग नहीं थे, लेकिन अब्राहम उन्हे साथ ले चला। उसके पिता उसके साथ एक दूरी तक चला। लूत और उसका परिवार उसके साथ कुछ दूरी तक उसका साथ दिया। फिर कुछ

और दूरी तक हगार और उनके पुत्र भी इस सफ़र में उसके साथ थे। अंत में हम देखते हैं परमेश्वर को अब्राहम को अलग करना था और उसे अकेले सफ़र कराना था इस यात्रा में। क्योंकि दर्शन के वादे का कनान देश केवल अब्राहम के लिए ही था। इसी प्रकार परमेश्वर के पास हम सब के लिए भी योजना है, उसकी इच्छा और योजना हम सब के लिए अलग है। यह केवल उसका प्यार और अनुग्रह है कि उसकी इच्छा और योजना हमारे जीवनो में स्थापित होएंगे। यह केवल तब है जब उसकी आत्मा हमारे जीवनों में आता है और हमारे सारे अधर्म दूर हो जाते हैं। परमेश्वर के दर्शन के बिना और उसकी इच्छा जो हमारे लिए है, हम कुछ नहीं कर सकते हैं। हम उस वचन के देश में नहीं पहुँच सकते हैं। अब्राहम के उसके वादे के देश के सफ़र में बहुत से उसके साथ जुड़ गए,.... उसका पिता, लूत और परिवार हगार और इश्माएल, लेकिन अंत में परमेश्वर ने दर्शन केवल अब्राहम को दिया था, न कि दूसरों को, इसलिए उस सफ़र से वें सारे निकाले गए और परमेश्वर ने अब्राहम की सहायता की कि वह उसके जीवन से सारे मैल को झाड़ ड़ाल सके और अंत में वादे के देश में अकेला सफ़र करे। इसी तरह हमारे जीवनों में हमे सारी बुराइयों को झाड़ देना चाहिए, अधर्मी को और पापों को हमारे जीवन से और केवल तब हम एक धर्मी चाल परमेश्वर के संघ पा सकते हैं। हम में से बहुत से सोचते हैं कि हम एक धार्मिक जीवन जी रहे हैं, हम पवित्र लोग हैं, हम हर सभा में शामिल होते हैं, हम अच्छे लोग हैं, हमने परमेश्वर के लिए सब कुछ त्याग दिया है। केवल परमेश्वर सच्चाई को जानता है, वह हमारी भीतरी गंदगी को जानता है। हमे हमारे जीवन में से हर एक बुराई को झाड़कर निकाल देना चाहिए। केवल तब हम वादे के देश में प्रवेश कर पाएंगे। हमारा परमेश्वर केवल हमारे ह्रदय में और भीतरी जीवन को देखता है, और नकि बाहरी रूप को। परमेश्वर का हमारे अंदर आए बगैर, उसके हमारे संघ रहे बगैर और उसका ज्वाला हम पर गिरे बगैर हमारे जीवनों में परिवर्तन नहीं होगा। हम उसी गंदगी में रहेंगे। परमेश्वर के आग के बगैर, उसके पवित्र आत्मा के बगैर हम किसी भी वस्तु के योग्य नहीं। हम कुछ नहीं कर सकते। यह बहुत ही ज़रूरी है कि हम अपने–आप को अंदर से बदल दें, हमारे ह्रदय पर परमेश्वर का कब्ज़ा होना ज़रूरी है। हमारा बाहरी रूप भिन्न–भिन्न रीति से बदले जा सकते हैं। लेकिन हमारा भीतरी रूप उसके आग के बिना नहीं साफ़ किया जा सकता है। जब पवित्र आत्मा हमारे जीवन में आता है, हमारे जीवनों में परिवर्तन आता है। तब हम याकूब और यूसुफ़ के परिवार बन सकते हैं। नहीं तो हम भूसा बनेंगे एसाव के घराने के तरह। हमारे जीवन नाष हो जाएंगे। **भजन संहिता ४५रू१३ – महल में राजकुमारी अति शोभायमान है; उसके वस्त्रों में सोने के बेल–बूटे कढ़े हैं।** परमेश्वर के सामने जाने के योग्य बनने के लिए हमे भीतर से पूर्ण रीति से शुद्ध होना ज़रूरी है, परमेश्वर हमारे कपड़ों को या बाहरी रूप को नहीं देखता है। जब परमेश्वर का पवित्र लहू हमे धोता है, हम बराबर से शुद्ध किए जाते हैं। कलवरी के क्रूस पर येशु के मृत्यु के बाद, ५० दिन के

पश्चात परमेश्वर ने पवित्र आत्मा के द्वारा लोग परमेश्वर के लिए सच्चे साक्षी बनते हैं और वें निर्भय बनते हैं। अन्य जाति के लोग आपस में बात करने लगे – कि वें लोग जो हमारे जीवनों को तितर–बितर कर सकते हैं, वें फिर हमारे बीच में हैं। परमेश्वर के आत्मा को हम पर भेजने से पहले, हम लोगों से डरते थे, समाज से ड़रते थे, आदि.... लेकिन एक बार परमेश्वर का आत्मा हम पर उतरा हमने साहस बाँधा। क्रूस पर येशु के मृत्यु से पहले, उसने लोगों को निर्भय होना सिखाया, उसने उनके जीवनों में प्रोत्साहन दी की वें विश्वासी रहें, उसने परमेश्वर के भय का प्रचार लोगों से किया, लेकिन फिर भी येशु के क्रूस पर चढ़ाने के बाद, लोग छिपने लगे, वें अपने जानों के लिए ड़रने लगे, आदि..... परमेश्वर ने पवित्र आत्मा को भेजा ताकि येशु ने जो कुछ प्रचार किया जब वह इस संसार में जीया था उसे फिर से पुष्टि कर सके। आत्मा ने उनको फिर एक बार साहसी बनाया। शिमशोन एक अभिषेक भरा व्यक्ति था, लेकिन जब उसके जीवन में पाप आया और उसने परमेश्वर के बल को जो उसके भीतर था उसे खोया, वह पलिश्तियों द्वारा पकड़ा गया और बाँधा गया। शिमशोन ने फिर एक बार प्रभु को पुकारा, प्रभु ने फिर एक बार उसके ज्वाला को शिमशोन पर उण्ढ़ेला और जिस रस्सी से वह बँधा हुआ था, वह रस्सी परमेश्वर की आग से मोम बन गया और शिमशोन को फिर एक बार शक्ति मिली उसके शत्रु से लड़ने और लड़ाई में शत्रु पर जीत प्राप्त करने के लिए। **न्यायियों १५:१३-१४ – अतः उन्होंने उस से कहा, "नहीं, परन्तु हम तुझे कस कर बांधेंगे और उनके हाथों में दे देंगे; परन्तु निश्चय हम तुझे नहीं मारेंगे। तब उन्होंने उसे दो नई रस्सियों से बांधा और चट्टान में से ले आए। जब वह लही में आया तो पलिश्ती उसे देखकर ललकारने लगे। तब यहोवा का आत्मा उस पर बड़े बल के साथ उतरा और वे रस्सियां जो उसकी भुजाओं पर थीं वे आग से जले हुए सन की तरह हो गईं और उसके हाथ के बन्धन गल कर गिर पड़े।** हम इस वचन में देखते हैं कि लोगों ने दो नए रस्सियों को लाकर शिमशोन को बांधा। लेकिन जब परमेश्वर की आग शिमशोन पर आया, रस्सियाँ धागों के जैसे कमज़ोर पड़ गए और टूट गए। हमारे जीवनों में भी आज, दुष्ट के पकड़ में चाहे जितनी भी शक्ति हो, याद रखो हमारा परमेश्वर हमे छुड़ा सकता है और हमे हर तरह के जकड़ से छुड़ा सकता है। कोई भी रस्सियां हमे नहीं बाँध सकता हैं या कोई अँधकार हमारे परमेश्वर की ज्योति जो हमारे भीतर है उसके सामने टिक नहीं सकती। परमेश्वर उसके ज्वाला को हमारे जीवनों में भेजेगा और हमे दुष्ट के हाथ से बचाएगा। परमेश्वर जानता है हमारे प्यार जो उसके लिए है, हमारे कार्यों को जो उसके लिए है और हमारा समर्पण जो उसके लिए है। इन अंत के दिनों में परमेश्वर हमे विजय देगा इन सारे क्लेशों से। हमारे हर एक के जीवनों में अलग प्रकार का अंधकार है। लेकिन यह केवल परेश्वर का धधकती आग है जो हमे बचा सकता है। एक बार इस्राएली लोग येरिहो की ओर शत्रु से लड़ने जा रहे थे, परमेश्वर की इच्छा थी कि इस्राएली लोग येरिहो से कुछ न ले उनके साथ। लेकिन हम देखते हैं कि आकान का परिवार येरिहो की चीज़ों की इच्छा करने लगे। इस पाप के कारण, इस्राएली लोग युद्ध हार गए। परमेश्वर की

चेतावनी के बावजूद वे चालाकी से येरिहो से चीज़े ले आए और उनके सामान के बीच छिपा दिया। इस तरह, परमेश्वर की उपस्थिति उनके बीच होने के बावजूद, इस्राएली लोगों को हार का सामना करना पड़ा। आज भी, हमे परमेश्वर को हमारे जीवन में पहला स्थान देना चाहिए, दुष्ट हमारे जीवनों में नहीं टिक पाएंगे और न ही वह हम पर जय पा सकेगा। जब परमेश्वर का हाथ हम पर है, शत्रु का कोई भी कार्य हम पर नहीं टिकेगा। याद रखो, परमेश्वर याकूब और यूसुफ़ के परिवारों को एक धधकती आग बनाएगा उसकी महिमा के लिए, लेकिन एसाव का परिवार एक भूसा बनाया जाएगा। जब हम परमेशवर की आज्ञा को नहीं मानते, वह हमे उस आकान के परिवार के जैसे भूसा बना देगा जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा येरिहो में नहीं मानी और उनपर मृत्यु आने तक पथराव की गई। हम देखते हैं पवित्र शास्त्रों में **यहोशू ७:१५-२६ – और ऐसा हो कि जो पुरूष निषिद्ध वस्तुओं के साथ पकड़ा जाए वह और जो कुछ उसका है आग में डालकर जला दिया जाए, क्योंकि उसने यहोवा की वाचा क तो़ड़ा और इस्राएल में अपमानजनक कार्य किया है"। अतः यहोशू ने भोर को शीघ्र उठकर इस्राएलियों को गोत्र गोत्र करके उपस्थित किया, और यहूदा के गोत्र की ओर संकेत हुआ। तब उसने यहूदा के गोत्र को उपस्थित किया और जेरह–वंशियों के कुटुम्ब की ओर संकेत हुआ। फिर जेरह–वंशियों के कुटुम्ब के एक एक पुरूष को उपस्थित किया, और जब्दी की ओर संकेत हुआ। तब उसने जब्दी के घराने के एक एक पुरूष को उपस्थित किया और यहूदा के गोत्र के कर्मी के पुत्र आकान की ओर संकेत हुआ जो जब्दी का पोता और जेरह का परपोता था। तब यहोशू ने आकान से कहा, "मेरे पुत्र, मैं तुझ से आग्रह करता हूं, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा को महिमा दे और उसकी प्रशंसा कर, और अब मुझे बता कि तू ने क्या किया है। मुझ से न छिपा।" अतः आकान ने यहोशु को उत्तर दिया, सचमुच, मैंने इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के विरूद्ध पाप किया है। मैंने ऐसा ऐसा किया, कि लूट में मैंने शिनार की एक सुन्दर ओढ़नी, दो सौ शेकेल चांदी, और पचास शेकेल वज़न की सोने की एक ईंट देखी। तब मैंने लोभ में पड़कर उनको ले लिया। देख, वे मेरे तम्बू के भीतर भूमि में गड़े हैं, और सब के नीचे चांदी है। अतः यहोशू ने सन्देशवाहक भेजे जो दौड़कर तम्बू में गए और उन्होंने देखा कि वे वस्तुएं उसके तम्बू में गड़ी थीं तथा सबके नीचे चांदी थी। तब वे उनको तम्बू से निकालकर यहोशू और सब इस्राएलियों के पास लाए और यहोवा के सामने रख दिया। तब यहोशू और उसके साथ समस्त इस्राएल जेरह के पुत्र आकान, चांदी, ओढ़नी, सोने की ईंट, उसके पुत्र–पुत्रियों, उसके गाय–बैल, उसके गदहे– गदहियों, उसकी भेड़–बकरियों, उसके तम्बू तथा जो कुछ उस का था – सब को आकोर की तरा में ले गए। और यहोशू ने कहा, "तू ने हमें क्यों दुख दिया है? आज यहोवा तुझे दुख देगा। तब सब इस्राएलियों ने उनका पथराव किया और पथराव करने के बाद उनको आग में जला डाला। फिर उन्होंने उसके ऊपर पत्थरों का ढेर लगा दिया जो आज तक बना है। तब यहोवा का भड़का हुआ प्रकोप शान्त हो गया, इसलिए उस स्थान का नाम आज तक आकोर की तराई पडा है।** और यहोशू और

सारा इस्राएल उसके साथ, आकान, जेरह के पुत्र को लिया और चाँदी, वस्त्र, सोने का ईंट, उसके पुत्रों को, उसके पुत्रियों को और उसके बैंलो को और उसके गदहों को और उसके भेंड़ों को और उसके तम्बु को और उन सब चीज़ों को जो उसके पास थी; उन्हे आकोर की तराई में लाया। और यहोशू ने कहा, तुमने हमे क्यों सताया? प्रभु तुम्हे आज सताएगा। और सारे इस्राएल ने उसपर पथराव की और उन्हे आग से जला दिया, उनपर पथराव करने के बाद उन्होने उसपर पत्थरों का ढ़ेर जमा कर दिया जो आज तक वहाँ है। इसलिए प्रभु उसके भड़के हुए कोप से पलट गया। इस लिए उस जगह का नाम आकोर की तराई कहा गया आज तक भी। याद रखो, परमेश्वर नहीं चाहता कि हम में से कोई भी नाष हो, लेकिन सब बच जाए उसके द्वारा। आज भी परमेश्वर हमे फ़टकता है अच्छा गेहुँ वह अपने साथ ले जाएगा और भूसे को वह आग में झोंकेगा। वह वही न बदलने वाला परमेश्वर है आज भी, उसके प्यार में और उसके कार्य में वह बदला हमारे लिए नहीं। जब हम जानते हुए पाप करते हैं और परमेश्वर को चुनौती देते हैं, वह हमारे लिए शाप बनता है। परमेश्वर पापियों से प्यार करता है, पाप से नहीं। जब हम बार–बार पाप करते रहते हैं, परमेश्वर का क्रोध हम पर गिरता है और उसकी आग हमे भस्म करता है। इसलिए हम प्रभु के लिए शापित बन जाते हैं। हमारा परमेश्वर नहीं चाहता कि हम उसके आग से भस्म हो, लेकिन वह चाहता है कि हम उसके लिए धधकती आग बने। **व्यवस्थाविवरण २३रू५ – तिस पर भी तेरे परमेश्वर यहोवा ने बिलाम की सुनने से इनकार किया, और तेरे परमेश्वर यहोवा ने शाप को तेरे लिए आशिष में बदल दिया, क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा तुझ से प्रेम करता आया है।** कलपना करो कि हमारा परमेश्वर हमसे कितना प्यार करता है, हमारे विरूद्ध सारे शापों को वह आशीष में बदलना चाहता है। लेकिन जब हम अपने पापों में लगे रहते हैं बड़े धैर्य से यह सोचकर की कोई हमे नहीं देख रहा है, तब हम गिरते हैं और एक शाप बनते हैं। आज भी, अगर हम हमारे पापों की गहराई में हैं परमेश्वर हमे ऐसी गहराईयों में से निकालने के काबिल है, लेकिन क्या हम तैयार है? **गलातियों ३:१३ – मसीह ने व्यवस्था के शाप से हमें मूल्य चुका कर छुड़ाया, और स्वयं हमारे लिए शापित बना, क्योंकि लिखा है, जो कोई काठ पर लटकाया जाता है वह शापित है।"** केवल येशु के नाम से, उसके अनुग्रह और दया से, हम स्वच्छ हो सकते हैं। पौरानिक समय के व्यवस्था के अनुसार हम में से कोई भी उसके सामने आने के काबिल नहीं क्योंकि हम पापी हैं। व्यवस्था के अनुसार पौरानिक समयों में पापियों पर पत्थराव किया जाता था। लेकिन, आज, परमेश्वर का क्रोध हम पर ऐसा नहीं है। उसके अनुग्रह से, उसके प्यार से और दया से ही उसने हमे उसका जीवन दिया हमारे लिए और आज येशु के नाम से हम पापी बच गए हैं। हम उसे हमारे हृदय में और हमारे घरों में सिंहासन दें और उससे कहे कि वह हमारे जीवनों में राज करे। उसकी इच्छा केवल हमारे जीवनों में और हमारे घरों में स्थापित हो। उसे हमे उसके राहों को सिखाने दें और वह चाहता है कि हमे वह उसके लिए एक

धधकती आग बनाए। वह चाहता है कि हम उसके लिए एक गवाह बने। **प्रकाशितवाक्य २२रू३ – फिर वहां कोई शाप न रहेगा, पर इस नगर में परमेश्वर और मेमने का सिंहासन होगा और उसके दास उसकी सेवा करेंगे।** जब परमेश्वर हमारे हृदय के सिंहासन पर बैठता है और हमारे घर पर, वह अकेला ही हम पर राज करेगा। कोई शाप या दुष्ट हमारे पास नहीं आ सकता है कोई अंधकार हमारे जीवन और हमारे घरों में नहीं प्रचलित हो सकता है, जब परमेश्वर की उपस्थिति हमारे जीवन में होता है और हमारे हृदयों में। जब परमेश्वर की बुद्धि और समझ हमारे जीवनों में है, हमारा जीवन आशिषित रहेगा और उमड़ता रहेगा। पवित्र शास्त्रों में, हम देखते हैं मूसा के समय में देखते हैं, मूसा अद्‌भुत कार्यों को हमारे परमेश्वर के नाम से करता था, मिस्र देश के जादुगरों के सामने। एक चमत्कार ऐसा था कि राख़ जब किसी पर उड़ाया जाए तब बड़े–बड़े फ़फ़ोले बदन पर निकल आते थे चाहे जानवर हो या मनुष्य। जादूगर भी इन कार्यों को करते थे। हम देखते हैं **निर्गमन ९:१०-११ – इसलिए वे भट्‌ठी की राख लेकर फ़िरोन के सामने खड़े हुए और मूसा ने उसे आकाश की ओर उड़ा दिया। और वह मनुष्यों और पशुओं दोनों पर फोड़े और फफोले बन गई। और जादूगर उन फोड़ों के कारण मूसा के सामने खड़े न रह सके, क्योंकि वे फोड़े जैसे मिस्रीयों पर वैसे ही जादूगरों पर भी निकले थे।** मिस्री जादूगर भी कई जादूई कमालों को करते थे जो मूसा परमेश्वर के अनुग्रह से करता था। जो कुछ मूसा करता, जादूगर भी करते। अंत में, मूसा ने राख़ को आकाश की ओर फैंका और जब वह लोगों पर गिरा, फ़फ़ोंले निकल आए। लेकिन जब मूसा ने यह किया, जादूगरों ने परमेश्वर की ऊँगली को मूसा पर देखा। **निर्गमन ८:१९ – तब जादूगरों ने फ़िरौन से कहा, "इसमें तो परमेश्वर का हाथ है। परन्तु जैसा कि यहोवा ने कहा था, फ़िरौन का हृदय कठोर ही बना रहा और उसने उनकी न सुनी।** जादूगरों ने देखा कि परमेश्वर मूसा के साथ था, इसलिए उसने इन महान कार्यों को किया। दुष्ट भी जानता था कि परमेश्वर का हाथ मूसा पर था। लेकिन परमेश्वर ने फ़िरौन का हृदय कठोर बना दिया था और वह हटीला बना की इस्राएलियों को बंधन से न छुड़ाए। परमेश्वर चाहता है के हम दीन बने ताकि वह हमारे जीवन में कार्य कर सके। आज भी, जब परमेश्वर के सेवक अपने हाथों को रखकर प्रार्थना करते है येशु के नाम से दुष्ट यह नहीं सह सकता है और छुटकारा के लिए तड़पता है। लेकिन हम मनुष्य अब भी कठोर हृदई हैं। परमेश्वर चाहता है कि हम याकूब और यूसुफ़ के परिवार के बने, वह चाहता है कि हम एक धधकती आग बने उसके लिए और धैर्य के साथ उसके नाम से माँगे। दीनता सबसे महत्त्वपूर्ण चीज़ है, हमे परमेश्वर के सामने हमेशा दीन होना चाहिए। जब हम दीन होते हैं परमेश्वर हमारे जीवन में कार्य कर सकता है। हम हमारे इनसानी बुद्धि से कहते हैं जो हमे सही या गलत लगता है। लेकिन हमे बदलना है परमेश्वर हमे बार बार कहता है, उसके सामने दीन बनो और उसके प्यारे बच्चे बनो। निश्चित रूप से हम अब अंत के समय में है, और यह परमेश्वर की इच्छा है कि उसके

लिए हम एक धधकती आग बने लेकिन हम आग में नाष होकर राख़ न बनें। **लूका ११:२० – परन्तु यदि मैं परमेश्वर की सहायता से दुषटात्माओं को निकालता हूँ तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुँचा है।**

इस भाग में हम देखतें हैं – येशु ने दुष्ट को परमेश्वर की ऊँगली से भगाया। मिस्री जादूगरों ने मूसा के ऊपर क्या देखा? उन्होंने परमेश्वर की ऊँगली को मूसा के ऊपर देखा जब उसने फ़िरोन के सामने चमत्कारों को किया। आज भी परमेश्वर के हाथ के बगैर हम कुछ भी नहीं कर सकते हैं। परमेश्वर का हाथ हमपर इतने वर्षों से था और हम प्रार्थना करते हैं कि आगे भी वह उसके अनुग्रह के हाथ को हम पर रखे। हम कुछ नहीं कर सकते हैं अगर परमेश्वर का हाथ हम पर नहीं रहा तो। इसलिए हम उसके लिए एक धधकती आग बने और उसके नाम का प्रचार करें दुनिया के कोने–कोने में। बहुत से भाई–बहन हमारे सभा अलग–अलग तरीकों से मदद करते हैं, जैसे कि मासिक पत्रिका के काम में, प्रचार सेवा के लिए जाने में और बहुत से बड़े–छोटे कार्यों में सभा के विभिन्न कार्यों में मदद करते हैं। इसी प्रकार हम प्रभु के लिए धधकती आग बन सकते है और परमेश्वर के महान कार्यों को इस संसार में फैला सकते हैं। परमेश्वर इस सभा को आशीष दें, हम सब याकूब के परिवार के "धधकती आग" बने और न की एसाव के परिवार का भूसा" बने परमेश्वर के लिए। हमने परमेश्वर को इस सभा में सिंहासन दिया है, केवल वह हमारी अगुवाई और मार्गदर्शन करेगा। किसी और की नहीं लेकिन परमेश्वर की इच्छा ही हो हमारे इस कलिसिया में। आग दो तरह का कार्य करता है – जब आग परमेश्वर के बच्चों पर गिरता है उनके जीवनो से सारा दुष्ट भाग जाता है और वें उसके लिए एक शुद्ध पात्र बनते हैं। लेकिन जब आग दुष्ट पर गिरता है वें राख़ और भूसा बन जाते हैं उसके लिए। इस्राएली लोग प्रभु के लिए सूखी हड्ड़ियों के समान थे। लेकिन जब परमेश्वर ने यहेजकेल को हड्ड़ियों में फूँक ने को कहा, तुरंत हड्ड़ियों में माँस, लहू और चर्म आ गया और वह फिर एक बार पूर्ण बना। आज भी अगर हमारे जीवन भी सूखी हड्ड़ियों के समान है विश्वास और आशा के बिना, परमेश्वर हमारे जीवन में परिवर्तन ला सकता है और फिर एक बार पूर्ण बनाता है। हर मदद जो मैं पाती हूँ तुम में से हर एक व्यक्ति से, परमेश्वर उन्हे नाम से जानता है। परमेश्वर उन्हे बहुतायत रीति से आशीष दें, और मैं प्रार्थना करती हूँ कि उसका हाथ हमेशा हमारी सभा पर रहे। यह संदेश उन सब के लिए आशीष लाए जो इसे पढ़ें।

– पास्टर सरोजा म.